पिकनिक

Picnic

प्रस्तावना- मानव जीवन में मनोरंजन का विशेष महत्व है। यद्यपि आज हम सैटेलाइट, इण्टरनेट जैसे वैज्ञानिक साधनों के सहारे अपना अनेक ढंग से मनोरंजन कर सकते हैं, पर प्राकृतिक मनोरंजन का आनन्द ही अनूठा है।

घर से बाहर सगे-सम्बन्धियों, मित्रों आदि के सैर-सपाटे, नौका विहार, पर्यटन, यात्राएं अर्थात् पिकनिक मनाने का आनन्द ही कुछ और है। ऐसा स्थान जहां नगर की हलचल न हो, न प्रदूषण हो, वह स्थान प्राकृतिक छटा से भरपूर हो, जहां हरियाली हो, वही पिकनिक के लिए उपयुक्त स्थान है।

जब हम कई लोग मिल-बैठकर पिकनिक का कार्यक्रम बनाते हैं तो उसके लिए सर्वप्रथम चर्चा का विषय होता है-स्थान। हम सोचते हैं कि पिकनिक हेतु किस स्थान को चुना जायेघ्

पिकनिक की तैयारी- शीतकालीन अवकाश में हमारे माता-पिता ने पड़ोस के अन्य बच्चों व परिवार के सदस्यों के साथ पिकनिक मनाने का कार्यक्रम तय किया। 26 दिसम्बर पिकनिक का दिन रखा गया । पिकनिक की तैयारी के लिए एक दिन पूर्व से ही मठरी, फल, मिठाई तथा पूरियां बनानी शुरू की गईं। अतः 26 की प्रातः काल में ही सब लोग बस से पिकनिक के लिए रवाना हो गये।

हम सब नाचते-गाते, तालियां बजाते पिकनिक स्थल पर पहुंच गये। सुरम्य झील पहाड़ियों से घिरी हुई थी तथा वहां का पानी शीतल एवं स्वच्छ था। हम सभी लोगों ने एक उपयुक्त स्थान चुनकर अपनी-अपनी दरी बिछाई, उन पर बैठकर नाश्ता किया। थोड़ी देर बाद नौका विहार को गये।

हम सभी लोगों केा नौका विहार सबसे अधिक पसन्द आया। हमने नौका विहार का भनपूर आनन्द उठाया, उसके पश्चात् संगीत का कार्यक्रम चला, फिर सभी ने बैठकर खाना खाया।

रात की शुरूआत होते ही सभी अपना-अपना समान समेटकर बस से वापिस अपने घर आ गये।

उपसंहार- इस तरह पिकनिक मनाने के बहाने जहां हमारा प्राकृतिक रूप से घूमना, सैर-सपाटा हुआ वहीं पडो़सियों के संग उनके बच्चों के बीच पूरे दिन साथ-साथ रहकर हममें आपस में प्यार, अपनत्व, स्नेह और भाईचारे की भावना पहले से ज्यादा बढ़ गयी।